THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI JANESHWAR MISHRA): (a) to (c). The information is being collected and will be laid on the Table of the House.

बिहार का पिछड़ा क्षेत्र

3686. **डा० रामजी सिंह :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को जानकारी है कि बिहार के संताल परगना जिले के आदिवासी क्षेत्र के मेहरामा महागामा तथा बुआरी जोर ब्लाकों में 22 मील के क्षेत्र में 44,000 मिलियन टन कोयला (ईस्टर्न कोल फील्डस लिमिटेड), बहुत बड़ी मात्रा में चाइना क्ले स्टोन चिप्स जंगल की साबि घास, बीडी के पत्ते आदि के विशाल निक्षेप हैं ;

(ख) यदि हां, तो क्या इस पिछड़े परन्तु खनिज सम्भावनाओं से परिपूर्ण आदिवासी क्षेत्र में रेलवे लाइनें न बिछाना राष्ट्रीय हित के विरुद्ध हैं ;

(ग) यदि हां, तो क्या इस क्षेत्र को आगामी वर्ष की योजना में शामिल किया जायेगा ; और

(घ) क्या प्रस्तावित भागलपुर-देवघर लाइन (बरास्ता पीरपैंती तथा ललमटिया) को हंसडीहा लाइन से जोड़ना उपयुक्त होगा ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शिव नारायण) : (क) से (घ). बिहार के संथाल परगना जिला में खनिज निक्षेपों के सम्बन्ध में सरकार अवगत है। मंदारहिल से दुमका, दुमका से सैंथिया, दुमका से वैद्यनाथधाम (देवघर), दुमका से मधुपुर और दुमका से रामपुरहाट तक एक नयी बड़ी लाइन के लिए टोह इंजीनियरिंग सहित यातायात सर्वेक्षण किया गया। मंदारहिल, और वैद्यनाथधाम (देवघर) के बीच एक सीधी बड़ी लाइन बिछाने के सर्वेक्षण को रेलवे के इस वर्ष के बजट में सम्मिलित किया गया है और उसे शीघ्र ही शुरु किया जायेगा। पिरपैंती रेल के पहले ही जुड़ा हुआ है और मंदारहिल और दुमका के बीच प्रस्तावित रेल लाइन से हंसडहा भी उससे जुड़ जायेगा। इन लाइनों के सम्बन्ध में अन्तिम निर्णय अभी तक नहीं किया गया है।

Improvement in Railway Catering and vending Establishments

3687. SHRI S. K. SARDA: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Inspectors/Managers and other employees of the Catering and Vending Establishments have their almost all meals and refreshments from the items daily cooked for supply to the travelling public;

(b) whether this has caused deterioration in the supply of cooked food articles to the travelling public; and

(c) what preventive steps are being taken to remedy the situation and to improve the quality of food articles supplied to the travelling public?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN): (a) On the Southern Railway only, Managers, Assistant Managers, Cooks Bearers/ Servers and Cleaners working in static catering units, who were appointed prior to 14th September, 1955 are being supplied free food on a prescribed scale as per their service conditions. The staff working in dining cars while they are on duty during the run of the trains are given food on prescribed scales and in lieu they are paid only half of the daily travelling allowance admissible to them under the rules. No other staff get free food from the catering establishments.

(b) No.

(c) Does not arise.

Transfer of Managers/Inspectors in Catering and Vending Establishments at Allahabad

3688. SHRI S. K. SARDA: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the sweets and other eatables items are being daily sent free of charge to the Senior officers especially belonging to Commercial Branch by Managers/Inspectors of Catering and Vending Establishments;

(b) if so, whether the Railways had ever tried to exercise surprise checks through Vigilance Department to stop these malpractices; and

(c) whether Government would transfer the Managers/Inspectors employed in Catering and Vending establishments staying at Allahabad station over three years to root out these corrupt practices?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN): (a) No.

(b) Does not arise. However, Railway Vigilance frequently conduct surprise checks on the working of the Catering Establishments with a view to detect malpractices/irregularities. During these checks malpractices of the type mentioned in part (a) of the question have not come to notice.

(c) There is no policy rgarding transfer of staff after three years. However, wherever cosidered necessary, Catering staff are transferred in the interest of the administration. The same policy will apply to Allahabad Station and any Catering staff coming to adverse notice there.

इलाहाबाद डिवीजन में स्टेशनों पर माल और पार्सलों के लिए ठेके

3689. **श्री एस० के० शारदा :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या इलाहाबाद डिवीजन में सभी स्टेशनों पर माल और पार्सलों के ठेके सहकारी समितियों को दिये गये हैं और क्या अधिकारियों ने उपरोक्त सहकारी समितियों के साथ सांठगांठ करके मनमर्जी से दरें निर्धारित की हैं ;

(ख) क्या यह सच है कि कानपुर गोदाम और जूही ट्रांसशिपमेंट शैड के लिए 5 रुपए 30 पैसे की दैनिक मजूरी की दर से ठेके दिये गये थे जबकि उक्त समितियां अपने श्रमिकों को 6 रुपए 50 पैसे की दर से दैनिक मजूरी का भुगतान कर रही है और फिर भी लाभ अर्जित कर रही है ।

(ग) क्या यह सच है कि ठेकेदारों के लिए दरों की तुलना में इन समितियों की दरों में 200-500 प्रतिशत की वृद्धि की गई है जब कि श्रमिकों की मजूरी में कोई आनुपातिक वृद्धि नहीं हुई ; और

(घ) क्या सरकार टेंडर आमंत्रित करेगी और वास्तविक दरों का निर्धारण करेगी ताकि रेलवे को अब हो रही हानि दोबारा न हो

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शिव नारायण) इलाहाबाद मंडल के स्टेशनों पर अपेक्षित माल और पार्सल सम्हलाई ठेके सहकारी समितियों को आबंटित कर दिये गये हैं; दरों का निर्धारण दर निर्धारण समिति द्वारा किया जाता है । जिसमें लेखा अधिकारी सहित 4 प्रवर अधिकारी होते हैं । दरें स्थानीय मजूरी दर और पार्सल की सम्हलाई के लिए अपेक्षित आदमियों की औसत